दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 271 ■ दमण, गुरुवार 16, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पीएम मोदी द्वारा उद्घाटित दमण नमो एयरपोर्ट से दमण-दिल्ली पहली हवाई सेवा का आज होगा शुभारंभ

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू नमो एयरपोर्ट से पहली उडान को करेंगे फ्लैग ऑफ

■ संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व और मौजूदगी में दमण के नमो एयरपोर्ट से दमण-दिल्ली की पहली उडान का होगा उद्घाटन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 जुलाई। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व और अथक परिश्रम से दमण के नमो एयरपोर्ट से 16 जुलाई को पहली हवाई सेवा का शुभारंभ होने जा रहा है। दमण से दिल्ली की पहली उडान सेवा का उद्घाटन करने के लिए केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू दमण के दौरे पर आ रहे हैं। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू 16 जुलाई की शाम को संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल की मौजूदगी में पहली उडान को फ्लैग ऑफ करेंगे। दमण से दिल्ली और दिल्ली से दमण हवाई सेवा शुरू होने से पर्यटन, उद्योग एवं कनेक्टिविटी के साथ-साथ आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर प्रशासन एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा सभी तरह की तैयारियां कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि प्रशासक प्रफुल पटेल ने हाल ही में दमण के नमो एयरपोर्ट से पहली उडान की तैयारियों का जायजा लेने के लिए नमो एयरपोर्ट का विजिट किया था। यहां बताना जरूरी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून को दमण के नमो एयरपोर्ट का उद्घाटन करके जनता को समर्पित किया था। अब 16 जुलाई को दमण से दिल्ली की पहली उडान शुरू होने जा रही है।

पीएम मोदी ने 149वीं रथयात्रा से पहले भेजा अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में विशेष प्रसाद

■ वर्षों पुरानी परंपरा निभाते हुए प्रधानमंत्री ने भगवान जगन्नाथ को अर्पित किए मौसमी फल और मेवे, 13 बार निभा चुके हैं 'पहिंद विधि' की ऐतिहासिक परंपरा

अहमदाबाद (ईएमएस)। भगवान जगन्नाथ की 149वीं रथयात्रा से एक दिन पहले अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भक्तिमय वातावरण छा गया है। पवित्र रथयात्रा की तैयारियों के बीच देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भगवान जगन्नाथ के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा एक बार फिर देखने को मिली। उन्होंने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी मंदिर में भगवान के लिए विशेष प्रसाद भेजा है।

प्रधानमंत्री द्वारा भेजे गए इस विशेष प्रसाद में ऋतु के अनुरूप विभिन्न फल एवं खाद्य सामग्री शामिल हैं। प्रसाद में मुख्य रूप से मूंग, जामुन, ककड़ी, आम, अखरोट तथा विभिन्न प्रकार के ड्राई फ्रूट्स भगवान को अर्पित करने के लिए भेजे गए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भगवान जगन्नाथ के लिए विशेष प्रसाद भेजकर प्रधानमंत्री ने अपनी धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति सम्मान का परिचय दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर से वर्षों पुराना और गहरा जुड़ाव रहा है। भगवान जगन्नाथ के प्रति उनकी श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे अब तक सबसे अधिक 13 बार रथयात्रा के दौरान आयोजित होने वाली पारंपरिक 'पहिंद विधि' का निर्वहन कर चुके हैं। इस विशेष अनुष्ठान में स्वर्णिम झाड़ू (सोने के झाड़ू) से भगवान के रथ के मार्ग की प्रतीकात्मक सफाई की जाती है, जिसे विनम्रता, सेवा और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। रथयात्रा से एक दिन पूर्व विशेष प्रसाद भेजने की यह परंपरा प्रधानमंत्री की भगवान जगन्नाथ के प्रति अटूट आस्था और भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। मंदिर प्रशासन और श्रद्धालुओं के बीच भी प्रधानमंत्री की इस पहल को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल है। भगवान जगन्नाथ की 149वीं रथयात्रा को लेकर मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान, सजावट और तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा भेजा गया यह विशेष प्रसाद श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था और भक्ति का विशेष संदेश बनकर सामने आया है।

दमण में आज धूमधाम से निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 जुलाई। दमण में आज भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली जाएगी। इस पावन अवसर को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्सुकता देखी जा रही है। रथ यात्रा को लेकर सुबह से श्रद्धालू निर्धारित स्थल पर पहुंच जाएंगे और विशेष पूजा-अर्चना और मंगल आरती के बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की सुसज्जित रथ पर विराजमान प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराया जाएगा। रथयात्रा दमण शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। जहां श्रद्धालु पुष्पवर्षा और पूजन कर भगवान के दर्शन का लाभ सकते है। आयोजन समिति द्वारा सुरक्षा, पेयजल और यातायात व्यवस्था के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। प्रशासन ने भी शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि भगवान जगन्नाथ के रथ के दर्शन और सेवा से सुख, समृद्धि तथा मंगल की प्राप्ति होती है। पूरे दमण में इस धार्मिक आयोजन को लेकर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

संगठन को और सशक्त बनाने के लिए दमण जिला भाजपा की हुई संगठनात्मक बैठक

■ दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की रही विशेष उपस्थिति: बूथ सशक्तिकरण और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को दिया गया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा ने आज संगठन को और सशक्त बनाने के लिए झरी स्थित बिरसा मुंडा सर्कल पर दमण जिला भाजपा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की विशेष उपस्थिति रही। इसके अलावा दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल, दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल की मौजूदगी रही। इस बैठक के दौरान आदिवासी समुदाय के भगवान श्री बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस बैठक में भाजपा के संगठन को और मजबूत एवं गतिशील बनाने के लिए विस्तृत चर्चा-विचारणा की गई। बूथ सशक्तिकरण, मंडल स्तर के संगठन का विस्तार करने, कार्यकर्ता आधारित कार्यक्रमों की सफल कार्यान्वयन एवं आगामी संगठनात्मक अभियानों को लेकर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मार्गदर्शन दिया। प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, बूथ को संगठन की सबसे मजबूत कडी के रूप में स्थापित करने एवं सेवा, समर्पण तथा संगठन के मूल मंत्र के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। आज की इस बैठक में प्रदेश और जिला के भाजपा पदाधिकारियों, मंडल के पदाधिकारियों, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों सहित बडी संख्या में भजापा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

असली आज़ादी

मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा पुलिस ने 4 माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है। गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के 2 करोड़ रुपये कैश, 60 लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

महोबा में दरिंदगी : युवक के हाथ-पैर काटे, भाजपा नेता पर आरोप

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ सुभाष नगर में 21 वर्षीय युवक जयवेंद्र सिंह पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसके दोनों हाथ और एक पैर काट दिए गए। गंभीर रूप से घायल जयवेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि जयवेंद्र सिंह मंगलवार रात बाइक से चंदेल पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी पेट्रोल पंप से पहले घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से निर्ममता से हमला किया। हमलावरों ने सरेआम युवक के दोनों हाथ और एक पैर काट डाले और उसके शरीर पर कई वार कर अधमरा छोड़ फरार हो गए। इस वीभत्स घटना के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची पीआरवी टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. शिशुपाल ने बताया कि युवक की नाजुक हालत को देखकर तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कटे हुए अंगों को भी सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, ताकि प्रत्यारोपण की संभावनाओं का परीक्षण हो सके। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घायल युवक के पिता राजा बाबू सिंह ने बयान में लोकल भाजपा नेता शिव प्रताप सिंह परमार और उसके साथियों पर हमले का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

असम राइफल्स, सेना, बीएसएफ ने पुलिस के साथ चलाया उग्रवादियों के खिलाफ अभियान

इंफाल (एजेंसी)।, मणिपुर में असम राइफल्स ने भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च और सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया। यह अभियान मंगलवार से उखरूल जिले के टीएम कासोम इलाके में चलाया गया। असम राइफल्स के मुताबिक यह संयुक्त अभियान हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर शांगशाक के पास नुंगशांग क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले के बाद शुरू किया गया। सुरक्षा बलों का उद्देश्य पूरे इलाके को सुरक्षित बनाना, संदिग्ध गतिविधियों को रोकना और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में असम राइफल्स, भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके की गहन तलाशी ली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोका जा सके। इससे पहले 30 जून को भी असम राइफल्स ने सिविल प्रशासन और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में म्यांमार से आए विस्थापित नागरिकों की पहचान, सत्यापन और बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया था। रक्षा प्रवक्ता ने उस समय बताया था कि यह पहल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और म्यांमार से आए विस्थापित लोगों तक नियंत्रित और व्यवस्थित मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम है। पूर्वी मणिपुर का कामजोंग जिला म्यांमार के साथ बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत चलाए गए उस अभियान में 40 अधिकारियों और कर्मियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले- हां, मैं खुश हूं

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी।

पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

विदेश यात्रा से लौटते ही खड़गे संग की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है।

भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट

इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

राम मंदिर दान विवाद : भेंट वापसी की तैयारी, ट्रस्ट में बदलाव और जांच जारी

अयोध्या (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में दान को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन श्रद्धालुओं की भेंट सामग्री वापस करने की तैयारी शुरू की है, जिन्होंने प्रबंधन पर असंतोष जाहिर किया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का कहना है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसकारण शिकायत दर्ज कराने वालों को उनकी भेंट लौटाने पर विचार हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब कई दानदाताओं ने दान रसीद न मिलने और भेंट सामग्री के रखरखाव में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। इधर, मंदिर में दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं का मामला गंभीरता से जांच के दायरे में है। करीब तीन करोड़ रुपये के कथित गबन के आरोपों की जांच राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। एसआईटी विभिन्न दस्तावेजों और संबंधित पक्षों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इन विवादों के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर कई अहम प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें एसआईटी जांच के परिणामों और प्रस्तावित सुधारों पर टिकी हैं।

अपनों की बगावत और कांग्रेस के चक्रव्यूह में फंसीं दीदी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मचे घमासान ने ममता बनर्जी को एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जिससे निकलना फिलहाल नामुमकिन लग रहा है। 21 जुलाई के ऐतिहासिक मोड़ पर ममता बनर्जी को दो अलग-अलग कोनों से दो ऐसे ऑफर मिले हैं, जो उनकी राजनीतिक साख को दांव पर लगाते हैं। पहला, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट ने ममता बनर्जी को अपनी अलग रैली में शामिल होने का न्योता भेजा है और उन्हें मार्गदर्शक का दर्जा दिया है। राजनीति में मार्गदर्शक मंडल का मतलब अमूमन सक्रिय राजनीति से विदाई माना जाता है। यानी बागी नेता ममता को सम्मान तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी लीडरशिप को खारिज कर चुके हैं। दूसरा कांग्रेस ने सीधे उनके राजनीतिक वजूद पर चोट की है। शुभांकर सरकार ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का मंच खुला है, लेकिन ममता को यह मानना होगा कि कांग्रेस का साथ छोड़ना उनकी भूल थी।

बता दें कि 21 जुलाई 1993 को यूथ कांग्रेस की रैली से जुड़ा मामला है, जिसमें पुलिस फायरिंग में कथित तौर पर 13 लोगों की मौत हो गई थी। खास बात यह है कि इस रैली की अगुवाई ममता बनर्जी खुद कर रही थीं। उन्होंने दिसंबर 1997 में कांग्रेस का साथ छोड़कर अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस बनाई थी, और तब से टीएमसी इस दिन को बड़े पैमाने पर रैलियों के साथ मनाती आ रही है, जबकि कांग्रेस भी इस दौरान कुछ कार्यक्रम करती रही है। वर्तमान स्थिति में, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला तृणमूल का बागी गुट एस्प्लेनेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास अपना अलग शहीद दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। दूसरी ओर, पुलिस ने ममता के नेतृत्व वाले गुट को विक्टोरिया हाउस के सामने कार्यक्रम आयोजित करने की पारंपरिक अनुमति नहीं दी है, और यह मामला अब अदालत में लंबित है। बागी गुट ने भी ममता बनर्जी को मार्गदर्शक के रूप में अपनी रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिससे इस दिन की राजनीतिक गहमागहमी और बढ़ गई है।

वांगचुक के अनशन को समाप्त करने लगाई जनहित याचिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 दिनों से चल रहे अनशन को समाप्त कराने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से अपील की गई है कि सोनम वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए और उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरन खाना खिलाकर उनका अनशन खत्म कराया जाए।

याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी, जो एक एक्टिविस्ट के साथ ही वकील हैं, ने यह कदम वांगचुक के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उठाया है। उन्होंने अदालत से केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें दबाव डालकर पोषक तत्व, विटामिन और खनिज तरल के रूप में दिए जाएं, जो मानव शरीर के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन पर बैठे हैं। वकील सैनी ने अपनी याचिका में चिंता व्यक्त की है कि यदि सोनम वांगचुक अनशन के दौरान मर जाते हैं, तो यह देश और दुनिया के लिए एक अत्यंत शर्मनाक बात होगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह वांगचुक के साथ किसी खतरनाक अपराधी, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा व्यवहार कर रही है और उन्हें एक मशहूर सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता की चिंता नहीं है। सैनी ने जोर देकर कहा कि सरकार कम से कम इतना तो कर सकती है कि उन्हें उचित मेडिकल सहायता दी जाए, भले ही वह जबरन ही क्यों न हो, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक के इस अनशन को लेकर सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच अभी तक किसी तरह की बातचीत या मध्यस्थता शुरू नहीं हुई है। हालांकि, देश के विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने अब वांगचुक तक पहुंचना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दलों के नेता जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलने पहुंचे हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए भी सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता और बढ़ गई है। याचिका पर अदालत का फैसला और सरकार की अगली प्रतिक्रिया अब सबकी निगाह में होगी।

संजय राउत : हनुमान चालीसा के लिए कोई शर्त नहीं, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष एकजुट

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने हनुमान चालीसा पढ़ने या मंदिर जाने को लेकर किसी शर्त की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान उन्होंने एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर अपनी प्रतिक्रिया देकर दिया। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने कहा कि जयंत पाटिल की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर जाने को लेकर मेरी कोई कंडीशन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हनुमान चालीसा पढ़ने में भला क्या शर्त हो सकती है? राउत ने बताया कि 18 तारीख को उद्धव ठाकरे नागपुर आएंगे और वे सब मिलकर मंदिर में दर्शन करने वाले है। यदि बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तब मंदिर के बाहर बने मंच से उद्धव ठाकरे उन्हें संबोधित कर सकते है। इसी क्रम में, उद्धव ठाकरे ने महिला आरक्षण बिल पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार यह बिल फिर लाती है, तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका विरोध करेगा। ठाकरे ने जानकारी दी कि उन्होंने बिल में सुधार के लिए अपनी बातें रखी हैं और यदि उनकी बात मानी जाती है, तभी वे उस पर चर्चा हो सकती है। उद्धव ठाकरे ने सुप्रिया सुले से बातचीत के सवाल पर कहा कि वह खुलकर अपनी बात कहने वाली नेता हैं। वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने भी राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर अपनी बात रखी। शरद पवार के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर दलवई ने दृढ़ता से कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुछ लोग जा सकते हैं, लेकिन शरद पवार बिल्कुल भी नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा मामले पर दलवई ने जगद्गुरु शंकराचार्य के बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि शंकराचार्य जी ने कहा है कि इससे क्या होगा? कुछ नहीं होगा। यह राम मंदिर नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा का दफ्तर है। इसीलिए वे अभी तक वहां नहीं गए हैं।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वतः स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेचकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्याएव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी की प्रमुख येलेना रेमिज़ोवा ने बताया कि इस रॉकेट के साथ भारतीय स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियां भी अंतरिक्ष में भेजी जा रही हैं, जो एक प्रतीकात्मक और प्रेरक कदम है। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। वह पेशे से इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन हैं और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर काम किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ जुड़कर माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोटरी एम्बेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भारत में एक वर्ष बिताया था, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान का अध्ययन और उसमें सहयोग किया।

होर्मुज में बेकसूर भारतीयों पर हमले बर्दाश्त नहीं : भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच की जंग अब पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, और तेल के इस महत्वपूर्ण रास्ते से गुजरना अब सीधे मौत के मुंह में जाने जैसा हो गया है। इस दुश्मनी में सबसे ज्यादा बेकसूर भारतीय नाविक पिस रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर के मर्चेंट नेवी वर्कफोर्स में करीब 10 से 17 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है। यही वजह है कि होर्मुज में जब भी कोई हमला होता है, तो वहां भारतीय जरूर फंस जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। हालांकि, अपने लोगों पर इस तरह की आंच आना भारत को कतई बर्दाश्त नहीं है। अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत ने जैसी सख्त चेतावनी हाल ही में ईरान को दी है, ठीक वैसे ही वह अमेरिका को भी खरी-खरी सुनाने से पीछे नहीं हटा था, जिससे भारत की स्वतंत्र और दृढ़ विदेश नीति स्पष्ट होती है।

किसी देश के राजनयिक को सार्वजनिक रूप से तलब करने का मतलब उस देश को सीधी और सख्त चेतावनी देना होता है, और भारत ने इसी कूटनीतिक रास्ते का सहारा लिया। मंगलवार को जब ईरान की क्रूज मिसाइलों ने यूएई के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और उसमें एक भारतीय नाविक की दुखद मौत हो गई, तो भारत सरकार ने बिना एक पल गंवाए एक्शन लिया। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में मौजूद ईरान के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी को तुरंत तलब कर लिया। यह मुलाकात कोई बंद कमरे की सामान्य बातचीत नहीं थी, बल्कि इसे जानबूझकर फुल पब्लिक व्यू में रखा गया। जब ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय के दफ्तर पहुंचे तो वहां टीवी न्यूज कैमरों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो भारत के गुस्से को सीधे तेहरान तक लाइव पहुंचा रही थी। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने होसैनी के सामने बेहद सख्त शब्दों में भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कह दिया कि हमारे नाविकों पर इस तरह की बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 13 जुलाई को यूएई के दो तेल टैंकर 'मोम्बासा' और 'अल बहिया' ओमान की समुद्री सीमा के पास से बेहद शांति से गुजर रहे थे, तभी अचानक ईरान की तरफ से दागी गईं दो विनाशकारी क्रूज मिसाइलें इन जहाजों से आकर टकरा गईं। यह हमला इतना भीषण था कि मिसाइल लगते ही दोनों जहाजों में भयंकर आग लग गई और वे जलते हुए मलबे में तब्दील होने लगे। इस हमले में 'मोम्बासा' टैंकर पर सवार एक भारतीय नाविक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा आठ अन्य नाविक बुरी तरह झुलस गए, जिनमें छह भारतीय और दो यूक्रेन के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार भारतीयों की हालत इतनी गंभीर है कि वे जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं।

गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है।

इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई 20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है। उनके अनुसार, माइलेज में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार और माइलेज पर ई20 ईंधन का कोई गलत असर नहीं देखा गया है, जो इस नई ईंधन नीति के प्रति वैज्ञानिक समर्थन को दर्शाता है।

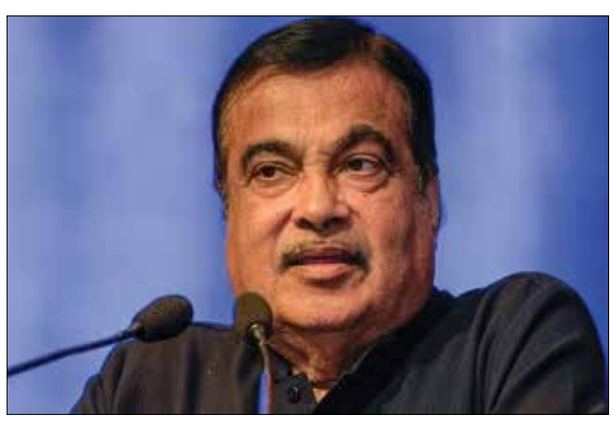

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमी आई, जिससे निवेशकों का रुझान कुछ हद तक कमजोर होता दिखाई दिया। एमसीएक्स पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,109 रुपये तक टूट गया, जबकि चांदी के सितंबर अनुबंध में 1,263 रुपये की गिरावट आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अगस्त अनुबंध ने कारोबार की शुरुआत 1,109 रुपय की बड़ी गिरावट के साथ 1,41,148 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर की। इसका पिछला बंद भाव 1,42,257 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था।

वहीं इसी प्रकार चांदी के सितंबर अनुबंध में भी कमजोर आई है। यह 1,263 रुपये की गिरावट के साथ 2,21,926 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,23,189 था। कारोबार के दौरान यह 729 की कमी के साथ 2,22,460 पर पहुंच गया। इस अवधि में चांदी ने 2,22,497 का उच्चतम और 2,21,064 का न्यूनतम स्तर छुआ। चांदी का इस साल का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,059.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,069.70 डॉलर प्रति औंस से कम था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर हासिल किया था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.04 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जबकि पिछला बंद भाव 59.10 डॉलर था। यह 0.34 डॉलर की गिरावट के साथ 58.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी का इस साल का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली, ।

देश में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 12,73,811 इकाई रही। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया तनाव से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10,11,884 इकाई रही। इससे पहले 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड करीब 10.3 लाख इकाई की बिक्री दर्ज की गई थी। सियाम के मुताबिक पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 20.3 फीसदी बढ़कर 56,28,675 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 46,77,990 इकाई थी। संगठन ने कहा कि तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी पहली तिमाही में अब तक के उच्चतम स्तर 2,14,339 इकाई पर पहुंच गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 1,65,211 इकाई की तुलना में 29.7 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी सर्वाधिक 2.65 लाख इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 18.3 फीसदी ज्यादा है।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज बढ़कर 390 करोड़, पहली तिमाही में बिक्रि बुकिंग 25 प्रतिशत घटी

मुंबई ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अपने शुद्ध कर्ज में वृद्धि और बिक्री बुकिंग में गिरावट दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध कर्ज मार्च 2026 के अंत के 200 करोड़ से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 390 करोड़ हो गया है। इस अवधि में, कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 प्रतिशत घटकर 1,970 करोड़ रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,640 करोड़ रुपए थी।कंपनी ने बताया कि बिक्री बुकिंग में यह गिरावट मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा में कमी के कारण हुई है। समीक्षाधीन तिमाही में सिग्नेचर ग्लोबल ने मात्र 226 इकाइयों की बिक्री की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 778 थी। क्षेत्रफल के लिहाज से भी, कंपनी ने 7.2 लाख वर्ग फुट की बिक्री की, जो पिछले साल के 16.2 लाख वर्ग फुट से काफी कम है।हालांकि, कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति पर जोर देकर बताया कि 30 जून, 2026 तक उसके पास 2,522 करोड़ रुपए की नकदी और बैंक जमा थे। यह राशि भविष्य की वृद्धि और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्त उपलब्ध कराती है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 8,250 करोड़ रुपए की संपत्तियों की बिक्री की थी और बिक्री बुकिंग के आधार

पर सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों में पांचवें स्थान पर रही थी। अप्रैल में, कंपनी ने इटली के लाइफस्टाइल ब्रांड टोनिनो लैम्बॉर्गिनी के साथ गुरुग्राम में करीब 2,900 करोड़ रुपए के निवेश से एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी भी की है।

एसबीआई फंड आईपीओ दूसरे दिन 78 फीसदी सब्सक्राइब, 21 को हो सकती है लिस्टिंग?

नई दिल्ली, ।

एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट आईपीओ का बुधवार को दूसरा दिन है। सुबह 10:04 बजे तक आईपीओ 78 फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक रिटेल निवेशकों का हिस्सा 72 फीसदी, पात्र खरीदार का हिस्सा 8 फीसदी और गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 161 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। अभी तक सबसे बोली एनआईआई ने लगाई है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल करीब 15फीसदी चल रहा है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 545 रुपए से 574 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह 9,813 करोड़ रुपए का आईपीओ है, जिसे पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया गया है। इसमें कंपनी के प्रमोटर भारतीय स्टेट बैंक और अम्यून्दी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओएफएस में 17.09 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री होगी। आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद होगा।

टेक महिंद्रा के नतीजों पर बाजार की नजर- मुनाफे में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की उम्मीद

आज होगा ऐलान

मुंबई, ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टेक महिंद्रा वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे 16 जुलाई को जारी करेगी। बाजार विश्लेषकों और ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि कंपनी तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है, जिसमें मुनाफे (पीटीए) में 40 प्रतिशत से अधिक की सालाना बढ़ोतरी और राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि प्रमुख है। इन नतीजों पर निवेशकों और बाजार की गहरी नजर, खासकर जब इसी दिन आईटी क्षेत्र की एक और प्रमुख कंपनी विप्रो भी अपने आंकड़े जारी करेगी।हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आईटी सेक्टर के लिए मौजूदा कारोबारी माहौल पूरी तरह से अनुकूल नहीं है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और बड़े सौदों (डील्स) को अंतिम रूप देने में होने वाली देरी जैसी चुनौतियां अभी भी उद्योग पर संकट पैदा कर रही हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि टेक महिंद्रा को बड़े डील्स से महत्वपूर्ण ग्रोथ मिलेगी। फर्म के अनुसार, कंपनी के सीईओ मोहित जोशी के नेतृत्व में परिचालन दक्षता में सुधार देखा गया है।

अमेरिकी महंगाई घटने के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे आया

फेड ने कहा- अगला फैसला आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा

नई दिल्ली, ।

अमेरिका में डॉलर इंडेक्स दूसरे दिन भी कमजोर रहा और 101 के स्तर से नीचे फिसल गया। जून में महंगाई के नरम पड़ने से निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व फिलहाल ब्याज दरों में जल्दबाजी नहीं करेगा। हालांकि फेड ने साफ कर दिया है कि उसका अगला फैसला केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा, किसी राजनीतिक दबाव के आधार पर नहीं। अमेरिका में जून 2026 में सालाना महंगाई दर घटकर 3.5 फीसदी रह गई, जबकि मई में यह 4.2 फीसदी थी। यह आंकड़ा बाजार के 3.8 फीसदी के अनुमान से भी बेहतर रहा।वहीं मासिक आधार पर उपभोक्ता कीमतों में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। साल 2020 के बाद यह पहला मौका है जब एक महीने में उपभोक्ता कीमतों में गिरावट आई है। महंगाई के नरम आंकड़ों के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे चल गया। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्रीय बैंक का काम महंगाई को नियंत्रित करना और कीमतों में स्थिरता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि फेड अपने फैसले केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर लेगा और किसी तरह के राजनीतिक दबाव में काम नहीं करेगा। वार्श ने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उन पर दबाव डालते हैं तो भी वह अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने दोहराया कि फेड की स्वतंत्रता सर्वोच्च है और उसकी विश्वसनीयता इस पर टिकी है।सुनवाई में चेयरमैन से पूछा कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ब्याज दरें घटाने के लिए दबाव बनाते हैं तो वह क्या करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि फेड के बाहर राजनीति हो सकती है, लेकिन केंद्रीय बैंक के अंदर राजनीति की कोई जगह नहीं है। उनका लक्ष्य महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक वापस लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एक महीने के महंगाई के आंकड़ों को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि महंगाई की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। फेड चेयर ने संकेत दिया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी महंगाई को फिर बढ़ा सकती है। ऐसे में फेड आगे भी हर आर्थिक आंकड़े पर नजर रखेगा और उसी के आधार पर ब्याज दरों पर फैसला करेगा।महंगाई के ताजा आंकड़ों के बाद बाजार को अब जुलाई की 28 से 29 जुलाई की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना काफी कम नजर आ रही है। निवेशकों के मुताबिक जुलाई में दरें बढ़ने की संभावना करीब 12 फीसदी है, जो पहले करीब 42 फीसदी थी। हालांकि सितंबर की 15 से 16 सितंबर की बैठक को लेकर तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं है। बाजार फिलहाल करीब 53 फीसदी संभावना मान रहा है कि फेड सितंबर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ में भारी कटौतीः भारत को बड़ी राहत

500 प्रतिशत को घटाकर 100 प्रतिशत किया

वाशिंगटन, ।

अमेरिका की सीनेट ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर लगाने वाले प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण बिल में बड़ा बदलाव किया है, जिससे भारत सहित कई देशों को राहत मिली है। पहले प्रस्तावित अधिकतम 500 प्रतिशत टैरिफ को अब घटाकर 100 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही, यह टैरिफ सभी देशों पर नहीं, बल्कि केवल रूस के पांच सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस खरीदारों पर ही लागू होगा, जिसमें भारत भी शामिल है। यह निर्णय रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े सैंक्शनिंग रशिया एक्ट के संशोधित संस्करण के तहत हुआ है।इस बिल को पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, जिसमें रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों की खरीद पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। संशोधित बिल में टैरिफ दर में भारी कमी और इसके दायरे को सीमित करना सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है। अब यह टैरिफ केवल चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देशों पर ही लागू होगा, जो रूस के पांच सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं। वॉशिंगटन में सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इसकी अधिकतम दर 100 प्रतिशत होगी, और विशेष परिस्थितियों में सीमित छूट का प्रावधान भी होगा।

इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने आगे बढ़ाया था। ग्राहम ने यूक्रेन दौरे के दौरान कहा था कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बिल को आगे बढ़ाने पर सहमति बना ली थी, जो एक साल से अधिक समय की बातचीत के बाद बनी थी। सीनेट के सहयोगियों के अनुसार, बिल को पहले ही 26 सीनेटरों का समर्थन मिल चुका है और आने वाले दिनों में और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है।संशोधित बिल में उन देशों के लिए भी छूट का प्रावधान है, जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं और रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं। सीनेट के सहयोगियों के मुताबिक, इस छूट का फायदा जापान, फ्रांस, हंगरी और बेल्जियम जैसे देशों को मिल सकता है।

16-17 जुलाई को उत्तराखंड-मेघायल में बंद रहेंगे बैंक, अन्य जगह होगा कामकाज

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के मुताबिक 16-17 जुलाई को पूरे देश में बैंक बंद नहीं रहेंगे, बल्कि क्षेत्रीय त्योहारों और स्थानीय अवसरों के कारण केवल कुछ राज्यों में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। आरबीआई के मुताबिक 16 जुलाई गुरुवार को उत्तराखंड में लोक पर्व हरेला तथा मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के अवसर पर सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन दोनों राज्यों के अलावा देश के अन्य सभी हिस्सों में बैंक सामान्य रूप से खुलेंगे और नियमित कामकाज होगा।

17 जुलाई शुक्रवार को केवल मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के उपलक्ष्य में बैंक अवकाश रहेगा। इस तरह मेघालय में लगातार दो दिन 16-17 जुलाई को बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। वहीं उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में शुक्रवार को बैंक सामान्य रूप से कार्य करेंगे। हालांकि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। यूपीआई के जरिए गूगल पे, फोनपे, पेटीएम और अन्य डिजिटल भुगतान सेवाएं पहले की तरह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहक एटीएम के जरिए नकदी निकाल सकेंगे और जहां कैश डिपॉजिट मशीन उपलब्ध हैं, वहां नकदी जमा करने की सुविधा भी जारी रहेगी। हालांकि चेक जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनवाना, केवाईसी अपडेट कराना, लॉकर संचालन या अन्य शाखा आधारित कार्य अवकाश वाले राज्यों में संभव नहीं होंगे। ऐसे में जिन ग्राहकों को बैंक शाखा में जाकर जरूरी काम करना है, उन्हें स्थानीय अवकाश को ध्यान में रखते हुए पहले से कर लें।

बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें: आरबीआई

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों के निदेशक मंडलों की बैठकों के लिए मुद्दे तय करने के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए ताकि बोर्ड अपने समय का ज्यादा कारगर तरीके से इस्तेमाल कर पाएं। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत बोर्डों को साफतौर पर बताना होगा कि उन्होंने कौन से मसले मंजूरी के लिए रखे हैं और उन्हें अपने अधिकारों की समय-समय पर समीक्षा भी करनी होगी। संशोधित व्यवस्था 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगी।

संशोधित नियमों के मुताबिक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन, नीति तथा रणनीति, संबंधित इकाइयों को कर्ज या उनमें निवेश पर नजर रखनी होगी और यह भी तय करना होगा कि कॉरपोरेट प्रशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। रिजर्व बैंक के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'बैठक का एजेंडा तय करने की मूल जिम्मेदारी बोर्ड के चेयरपर्सन की होगी। बैंकिंग नियामक ने कहा कि बैंक की कारोबारी रणनीति, वित्तीय सेहत, प्रशासन के ढांचे, कर्मियों से जुड़े प्रमुख फैसलों, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की आखिरी जिम्मेदारी बोर्ड की ही होगी। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि उसे प्रबंधन से किस तरह की जानकारी चाहिए और कितने अंतराल पर चाहिए। रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है, जरूरत पड़ने पर बोर्ड बाहर से रिपोर्ट मंगा सकता है।

बोर्ड खास मामले बोर्ड समितियों या प्रबंधन समितियों को सौंप सकता है बशर्ते उन्हें साफ तौर पर बताया जाए कि क्या जानकारी देनी है।

क्यूबा में फिर गहराया बिजली संकट, ब्लैकआउट से करीब 90 लाख लोग प्रभावित

पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं

नई दिल्ली, ।

क्यूबा एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। मंगलवार को देश की राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई, जिसके चलते पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह तीसरी बार है जब पूरे देश में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। बिजली संकट ने पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्यूबा की सरकारी बिजली कंपनी के मुताबिक पूर्वी प्रांत होलगुइन स्थित एक बिजली उत्पादन इकाई में तकनीकी खराबी आने से ग्रिड की फ्रीक्वेंसी अचानक बदल गई। इसके कारण राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई और पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्लैकआउट के बाद ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय और इलेक्ट्रिक यूनियन ने बिजली बहाल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी। इसके तहत छोटे-छोटे बिजली नेटवर्क तैयार कर उन्हें आपस में जोड़कर अस्पतालों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बिजली दी जा रही है। राजधानी हवाना के कुछ इलाकों में दोपहर बाद बिजली बहाल कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक शहर के करीब 4 फीसदी हिस्से में बिजली आपूर्ति शुरू हो चुकी है। वहीं ग्वांतानामो, सिएनफुएगोस और मातांजास जैसे प्रांतों में भी अस्पतालों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में बिजली बहाल होने लगी है।यह पहली बार नहीं है जब क्यूबा को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह भी देशभर में बड़े पैमाने पर ब्लैकआउट हुआ था, जिससे करीब 90 लाख लोग प्रभावित हुए थे। इससे पहले मार्च में भी दो बार राष्ट्रीय स्तर पर बिजली व्यवस्था ठप हो चुकी है, जबकि कई क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर बिजली कटौती की घटनाएं सामने आई थीं।

क्यूबा लंबे समय से ईंधन की कमी से जूझ रहा है। देश अपनी जरूरत का केवल करीब 40 फीसदी ईंधन ही खुद तैयार कर पाता है।, जबकि बाकी के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इस साल जनवरी से ईंधन संकट और गहरा गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की चेतावनी दी जो क्यूबा को तेल बेचते या उपलब्ध कराते हैं।

भारत-यूके सीईटीए लागू, कपड़ा, चमड़े, आभूषण समेत कई क्षेत्रों के निर्यात के अवसर बढ़ेंगे

कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू होगी

नई दिल्ली, ।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इससे देश में कपड़ा, चमड़े, आभूषण एवं रत्न, समुद्री उत्पादों, केमिकल, और अन्य क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों के लिए यूके का बाजार खुला गया और उन्हें अब पहले के मुकाबले निर्यात के ज्यादा अवसर मिलेंगे। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने को लेकर एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ यह समझौता, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। इससे देश के करीब 99 फीसदी निर्यात को यूके में जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जो कि भारत की 100 फीसदी ट्रेड वैल्यू को कवर करता है। मीडिया रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस व्यापार समझौते से कपड़ा, चमड़े, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग का सामान, समुद्री उत्पाद, केमिकल, प्रोसेस्ड फूड के साथ-साथ एमएसएमई, किसानों और अन्य मैन्युफैक्चरर्स को निर्यात के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के आईटी, प्रोफेशनल, फाइनेंशियल, एजुकेशन और बिजनेस सर्विस सेक्टरों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा और साथ ही भारतीय टैलेंट के लिए आवाजाही के मौके भी बढ़ाता है।सोशल सिक्योरिटी समझौते का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि इससे यूके में अस्थायी काम पर गए भारतीय पेशेवरों को पांच साल तक दोहरी सोशल सिक्योरिटी का योगदान देने से छूट मिलती है, जिससे देश के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है।

इसके अलावा गोयल ने समझौते को अंतिम रूप देने में अपनी भूमिका के लिए यूके के अपने समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की बातचीत करने वाली टीमों का धन्यवाद किया।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग – दीव

निविदा आमंत्रण सूचना

दीव में एनेक्सी सर्किट हाउस एक्सटेंशन ब्लॉक.

For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294

निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 36/2026-2027 (2026_DIUDT_4867_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : 20/07/2026
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 03/08/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 03/08/2026
बोली खुलने की तिथि : 03/08/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.

NO: IP/DMN/2/5/2026-27/314 DATE:- 15/07/2026

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

Land Section Collectorate, Diu

Notification of the Social Impact Assessment

Section 4(1) of the RFCTLARR Act, 2013, Part-B (Sub Rule(1) of Rule (3) of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement (Social Impact Assessment and Consent rule, 2014). Land Acquisition for the project of Development of Panibai School into a Heritage Museum and Creation of Infrastructure facilities for visiting tourists in Diu District.

Case No. 65-04-LAQ-2026-LND/904 dated 13.07.2026

Note: Details can be downloaded from https://tinyurl.com/f2c8tpaa or by scanning the QR code.

Office of the Collector, Diu

NO: IP/DMN/2/5/2026-27/317 DATE:- 15/07/2026

CHANGE OF NAME

OLD NAME : SNEHA VINOD VAZIRANI
NEW NAME : **SNEHA KAUR RANCE**
RAMANJYOT SINGH RANCE
ADDRESS: TIRUPATI APARTMENT
B-BUILDING D WING SAGAR SAMRAT ROAD
KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN.

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

ललित गर्ग

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं।

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्ल कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी

दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

पैसे के पीर टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलतः हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है–विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए। देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है।

आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मयार्दा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मयार्दा पुरुषोत्तम मानते हैं।

संक्षिप्त डायरी

किसानों की समस्याओं को लेकर अपना दल (कमेरावादी) का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को अपना दल (कमेरावादी) के कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राम चंदर पटेल के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को सौंपकर किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि धान की रोपाई के महत्वपूर्ण समय में किसान पानी और खाद की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार इन मूलभूत समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल रही है। पार्टी ने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर सिंचाई और उर्वरक उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी खेती प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में किसान, युवा और बेरोजगार सभी वर्ग परेशान हैं तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। इस अवसर पर अखिलेश सिंह, दीनानाथ सरोज, राम सिंगार पटेल, रामचंद्र पटेल, अवधेश सरोज, तेजलाल पटेल, शारदा पटेल, हेमा पटेल, रागनी गौतम, तीर्थराज सरोज, चंद्रमणि पटेल, अमर लक्ष्मी सरोज, संगीता गौतम, हरिप्रसाद सरोज, डॉ. लालजी पटेल, प्रमोद पटेल, सुनील पटेल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाईटेंशन लाइन ने छीनी राष्ट्रीय पक्षी की उड़ान

एजेंसी

मीरजापुर। जिगना क्षेत्र स्थित 132 केवीए विद्युत उपकेंद्र परिसर में मंगलवार को करंट की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। घटना से पक्षी प्रेमियों में गहरा दुख और रोष है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मोर को अपने संरक्षण में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। उप वन क्षेत्राधिकारी (लालगंज) विनयेन्द्र यादव ने बताया कि राष्ट्रीय पक्षी के मृत मिलने की सूचना पर वन दरोगा अवधेश और वन कर्मियों को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। राजकीय पशु चिकित्सालय विजयपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. रत्नेश की देखरेख में मोर का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद राष्ट्रीय पक्षी को पूरे सम्मान के साथ तिरंगे में लपेटकर वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय परिसर के पास गड्ढा खोदकर दफनाया गया। वन विभाग की इस संवेदनशील पहल की लोगों ने सराहना की। घटना के बाद पक्षी प्रेमियों ने हाईटेंशन लाइनों के खुले तारों को वन्यजीवों और पक्षियों के लिए बड़ा खतरा बताते हुए उन पर सुरक्षा जाली लगाने की मांग दोहराई। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए होते तो राष्ट्रीय पक्षी की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने विद्युत विभाग से पक्षियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

भतीजे को लेने स्टेशन जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

एजेंसी

मीरजापुर। चील्ह थाना क्षेत्र के टेढ़वा पुलिस चौकी के पास मंगलवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार भदोही जनपद के औराई थाना क्षेत्र के नरथुआ गांव निवासी विजय कुमार तिवारी (35) पुत्र श्याम नारायण तिवारी अपने भतीजे अतुल तिवारी को रिसीव करने के लिए बाइक से मीरजापुर रेलवे स्टेशन जा रहे थे। सुबह टेढ़वा पुलिस चौकी से करीब 100 मीटर आगे मीरजापुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से घायल को औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, वाराणसी रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि विजय कुमार अपने भतीजे के सूरत से आने पर उसे लेने स्टेशन जा रहे थे, लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। चील्ह थाना प्रभारी बद्री प्रसाद सरोज ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया है। अभी तक परिजन की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

के.एम. हॉस्पिटल में बढ़ रहे नाक, कान और गला के मरीज, डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

एजेंसी

मथुरा। मानसून की पहली बारिश के बाद जहां एक ओर लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर बदलते मौसम ने बीमारियों को न्यौता दे दिया है। शहर के प्रतिष्ठित के.एम. हॉस्पिटल में इन दिनों मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या में भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक में रोजाना सैकड़ों की संख्या में सर्दी-खांसी, जुकाम, गले में संक्रमण और कान के दर्द से परेशान मरीज पहुंच रहे हैं। इस बदलते मौसम और बढ़ती बीमारियों को लेकर के.एम. हॉस्पिटल के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मंगलवार ईएनटी विभाग की डा. शिवांगी द्विवेदी ने बताया कि बारिश के बाद हवा में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। इसके चलते गले में खराश, दर्द, सूजन और आवाज बैठने जैसी शिकायतें लेकर मरीज आ रहे हैं। उन्होंने सलाह दी कि गले में लगातार दर्द या निगलने में परेशानी होने पर इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। ईएनटी विभाग के डा. राकेश बघेल के अनुसार, इस मौसम में विशेषकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) कमजोर होने के कारण वे जल्दी संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे बारिश में भीगने से बचें और यदि भीग जाएं, तो तुरंत अपने कपड़े बदलकर शरीर को सुखाएं। ईएनटी विभाग के डा. कवर विक्रांत सिंह ने कान की बीमारियों को लेकर सचेत किया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में कान में फुंसी, सूजन, तेज दर्द या कम सुनाई देने के मामले बढ़ जाते हैं। कई बार कान में पानी चले जाने से भी संक्रमण (इन्फेक्शन) हो जाता है। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि कान में खुजली या दर्द होने पर माचिस की तीली, हेयरपिन या कॉटन बड जैसी कोई भी चीज कान के अंदर न डालें, इससे कान के पर्दे को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं डा. अनामिका ने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि इस मौसम में ठंडी चीजें खाने-पीने से बचना चाहिए और केवल साफ व सुरक्षित पानी का ही सेवन करना चाहिए। बाहर के खुले और बासी भोजन से दूरी बनाकर हम कई तरह के वायरल संक्रमणों से सुरक्षित रह सकते हैं।

'साइबर वज्र अभियान में वाराणसी साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़, 8 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी 'साइबर वज्र' अभियान के तहत कमिश्नरेट वाराणसी की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने थाना कैंट क्षेत्र में संचालित इस संगठित नेटवर्क पर छापेमारी कर 8 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 11 मोबाइल फोन, ₹68,275 नकद, ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित पर्चियां, हिसाब-किताब और महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्णा के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर वज्र अभियान के तहत पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के

निर्देश पर की गई। अभियान का नेतृत्व पुलिस उपायुक्त (अपराध) नीतू कादयान, अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) नृपेन्द्र और सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर क्राइम) विनय द्विवेदी के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम थाना की विशेष टीम ने किया। ऐसे चल रहा था ऑनलाइन सट्टे का खेल एसीपी साइबर क्राइम विनय कुमार द्विवेदी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ₹भाग्यलक्ष्मी₹ नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अवैध सट्टेबाजी का कारोबार चला रहे थे। गिरोह के सदस्य स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें वेबसाइट का लिंक उपलब्ध कराते थे और नगद व ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से अंक आधारित सट्टा खिलाते थे। खिलाड़ियों का पंजीकरण टिकट के जरिए किया जाता था और वेबसाइट पर परिणाम घोषित किए जाते थे। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि गिरोह सुनियोजित तरीके से खिलाड़ियों द्वारा चुने गए नंबरों का विश्लेषण कर वेबसाइट संचालकों से परिणामों में कथित हेरफेर कराता था, जिससे अधिकांश खिलाड़ियों को आर्थिक नुकसान होता था और गिरोह अवैध लाभ कमाता था। ग्राहकों से संपर्क बनाए रखने और लेनदेन के लिए व्हाट्सएप ग्रुप सहित अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता था। डिजिटल साक्ष्य मिले बरामद मोबाइल फोन की प्रारंभिक जांच में ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े व्हाट्सएप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग, भुगतान विवरण, हिसाब-किताब और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। पुलिस अब इन उपकरणों का विस्तृत डिजिटल फॉरेंसिक परीक्षण करा रही है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, तकनीकी सहयोगियों और वित्तीय लाभार्थियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना साइबर क्राइम में मुकदमा संख्या 31/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 318(4), 61(2), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66ऊ तथा उत्तर प्रदेश सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साइबर पुलिस की अपील साइबर क्राइम थाना वाराणसी ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी ऑनलाइन सट्टेबाजी, जुआ या त्वरित लाभ का लालच देने वाले प्लेटफॉर्म से दूर रहें। सोशल मीडिया या मैसेजिंग ऐप पर मिलने वाले संदिग्ध बेटिंग लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी वेबसाइट या ऐप पर निवेश या भुगतान करने से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य करें। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन सट्टेबाजी का प्रलोभन देता है या साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार बनाता है तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है।

मां विंध्यवासिनी के प्रसाद को मिलेगी वैश्विक पहचान

एजेंसी

मीरजापुर। मां विंध्यवासिनी धाम की आस्था से जुड़ा प्रसिद्ध मीरजापुर का लाल पेड़ा अब वैश्विक बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। योगी सरकार ने एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना में लाल पेड़ा को शामिल कर इसके उत्पादन, ब्रांडिंग और विपणन को नई दिशा देने की पहल की है। इससे न केवल पारंपरिक मिठाई को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार मिलेगा, बल्कि इससे जुड़े कारीगरों, छोटे उद्यमियों और कारोबारियों की आय में भी वृद्धि होगी। विंध्याचल मंडल के संयुक्त आयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत 25 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं पर अनुदान का प्रावधान किया गया है। इससे नई इकाइयों की स्थापना, पुराने प्रतिष्ठानों का आधुनिकीकरण और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में जिले की करीब 65 इकाइयों से लगभग 400 लोगों की आजीविका लाल पेड़ा कारोबार से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि उद्यमियों को आर्थिक सहायता के साथ आधुनिक पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता मानकों और उत्पाद की शेल्फ लाइफ बढ़ाने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि लाल पेड़ा लंबे समय तक सुरक्षित रहे और देश-विदेश के बाजारों तक आसानी से पहुंच सके। आस्था से उद्योग तक का सफर मां विंध्यवासिनी धाम में दर्शन के बाद श्रद्धालु वर्षों से लाल पेड़ा प्रसाद के रूप में अपने साथ ले जाते रहे हैं। अब यही पारंपरिक मिठाई धार्मिक आस्था के साथ 'मेड इन मीरजापुर' की पहचान बनकर वैश्विक बाजार में पहुंचने की तैयारी कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओडीओसी योजना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, कारीगरों के हुनर को आधुनिक तकनीक का साथ मिलेगा और मीरजापुर की स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

50 करोड़ की जमीन पर कब्जे के आरोपों पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह ने रखा अपना पक्ष, कहा- राजनीतिक साजिश के तहत बनाया जा रहा निशाना

एजेंसी

वाराणसी। रोहनिया क्षेत्र में लगभग 50 करोड़ रुपये मूल्य की बताई जा रही जमीन के कथित कब्जे के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद भाजपा के वाराणसी जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह मंगलवार को मीडिया के सामने आए। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इसे पारिवारिक विवाद और राजनीतिक साजिश का परिणाम बताया। सुरेश सिंह ने कहा कि उन्होंने किसी भी जमीन पर अवैध कब्जा नहीं किया है। उनके अनुसार संबंधित भूमि के मूल स्वामी ने अपनी इच्छा से उक्त जमीन अपने भतीजे के नाम दान कर दी थी। उन्होंने दावा किया कि दानपत्र निष्पादित होने के उसी दिन भतीजे ने विधिवत रजिस्ट्री उनके पक्ष में कर दी थी, जो पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई। उन्होंने कहा कि बाद में परिवार के भीतर उत्पन्न विवाद

के चलते इस पूरे मामले में उन्हें जानबूझकर घसीटा गया। उनका आरोप है कि राजनीतिक रूप से सक्रिय होने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है और उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। हाल के दिनों में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस द्वारा इस प्रकरण को लेकर भाजपा पर किए जा रहे हमलों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुरेश सिंह ने कहा कि विपक्ष बिना तथ्यों के राजनीतिक बयानबाजी कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामला न्यायालय और कानून के दायरे में है तथा उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। सुरेश सिंह ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनके खिलाफ बिना प्रमाण के मानहानिकारक बयान दिए जाते रहे तो वह दोनों नेताओं के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दायर करने सहित कानूनी कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने कहा कि सभी दस्तावेज वैध हैं और समय आने पर संबंधित तथ्यों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि जांच में सच्चाई सामने आएगी और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार साबित होंगे। इस मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद राजनीतिक हलकों में बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्ष लगातार भाजपा पर निशाना साध रहा है, जबकि भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह ने स्वयं सामने आकर अपनी सफाई देते हुए पूरे प्रकरण को राजनीतिक और पारिवारिक विवाद का परिणाम बताया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की जिंदा जलकर मौत -धान, मुट्ठा की फसल व ट्यूबवेल इंजन की सुरक्षा के लिए मचान पर सोने गया था किसान कमलेश सैनी

एजेंसी

रुदौली-अयोध्या। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के रहीमगंज गांव में सोमवार देर रात हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। खेत में धान की फसल और ट्यूबवेल इंजन की रखवाली कर रहे 65 वर्षीय किसान कमलेश सैनी की संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में बनी मचान में आग लगने से जिंदा जलकर मौत हो गई। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होने पर गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस, राजस्व विभाग की टीम और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के अनुसार, कमलेश सैनी रोजाना की तरह सोमवार रात भी अपने खेत में धान, भुट्टा की फसल और ट्यूबवेल इंजन की सुरक्षा के लिए मचान पर सोने गए थे। देर रात किसी समय मचान में अचानक आग लग गई। आसपास खेत होने के कारण रात में किसी को इसकी भनक नहीं लगी। मंगलवार सुबह जब कुछ ग्रामीण शौच के लिए खेतों की ओर गए तो उन्होंने मचान

से धुआं उठता देखा। पास पहुंचने पर कमलेश सैनी गंभीर रूप से झुलसे मिले। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। आग इतनी भीषण थी कि मचान पूरी तरह जल गई और मृतक का करीब 70 प्रतिशत शरीर झुलस गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और फोरेंसिक दृष्टि से भी साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य ने बताया कि प्रथमदृष्टया घटनास्थल पर कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं मिला है। हालांकि मौके से लोहबान के कुछ टुकड़े बरामद हुए हैं। आग किन परिस्थितियों में लगी और इसके पीछे कोई अन्य कारण है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और अन्य तथ्यों पर स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। मृतक कमलेश सैनी एक साधारण किसान थे

स्वस्तिवाचन, पुष्पवर्षा और आतिशबाजी से होगा क्षेत्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन अवधेश द्विवेदी के क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद प्रथम आगमन की तैयारियों में जुटी भाजपा

एजेंसी

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी के प्रथम अयोध्या आगमन को लेकर महानगर इकाई ने भव्य स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नगर की सीमा से लेकर सर्किट हाउस तक विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत किया जाएगा। तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा महानगर कार्यालय में महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा के अनुरूप क्षेत्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ स्वागत कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा संगठन की एकजुटता और शक्ति का परिचय देंगे। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्रीय अध्यक्ष का प्रथम अयोध्या आगमन संगठन के लिए गौरव का अवसर है। कार्यकताओं में विशेष उत्साह है और स्वागत कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं अनुशासित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र ने बताया कि बैठक में तय किया गया कि गरुण द्वार पर जनप्रतिनिधि एवं महानगर पदाधिकारी, सहादतगंज हनुमानगढ़ी, टीवी टावर तथा कचहरी गेट के सामने संबंधित मंडलों के पदाधिकारी क्षेत्रीय अध्यक्ष का स्वागत करेंगे। सर्किट हाउस मोड़ पर भाजपा के सभी मोर्चों के पदाधिकारी उनका

अभिनंदन करेंगे। सभी स्वागत स्थलों पर 21 बटुकों द्वारा स्वस्तिवाचन कराया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर तोरण द्वार बनाए जाएंगे, मानव श्रृंखला बनाई जाएगी तथा हर स्थल पर 51 किलो की माला, पुष्पवर्षा व आतिशबाजी के साथ उनका अभिनंदन किया जाएगा। इसके उपरान्त महानगर के पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों व पूर्व जिलाध्यक्षों के साथ अलग-अलग बैठक होगी। बैठक में महामंत्री परमानंद मिश्र, अमित तिवारी, तिलकराम मौर्या, अमल गुप्ता, शशि प्रताप सिंह, बाल कष्ण वैश्य, रवि शर्मा, हरभजन गौड, शिवम शुक्ला, रवि सिंह, स्वाती सिंह, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, कपिल देव वर्मा, ओमिश अग्रहरि, शुभम श्रीवास्तव, स्वाप्निल श्रीवास्तव, वरूण चौधरी, आकाश सोमवंशी, अमन तिवारी बिट्टू, प्रांशु अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम के तबादले के बावजूद अधिवक्ताओं की हड़ताल जारी

एजेंसी

मिल्कीपुर-अयोध्या। एसडीएम के तबादले के बाद भी मिल्कीपुर तहसील में अधिवक्ताओं का कार्य बहिष्कार जारी है। अब हड़ताल पर फैसला अधिवक्ताओं की मीटिंग में ही होगा। मिल्कीपुर तहसील में अधिवक्ताओं के धरना-प्रदर्शन और शिकायती प्रार्थना पत्र के बाद शासन ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सुधीर कुमार का स्थानांतरण कर दिया है। इसके बावजूद अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य बहिष्कार फिलहाल जारी है। मिल्कीपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

अमित कुमार मिश्रा ने मंगलवार, 14 जुलाई का बातचीत में बताया कि अधिवक्ताओं की मांग लंबे समय से लंबित थी और एसडीएम उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे थे। इसी कारण आमसभा में प्रस्ताव पारित कर उनके स्थानांतरण की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि अब नए पीठासीन अधिकारी के आने के बाद बार एसोसिएशन उनसे वार्ता करेगा और लंबित कार्यों के शीघ्र निस्तारण की मांग रखेगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को आमसभा की बैठक होगी, जिसमें यह निर्णय लिया जाएगा कि कार्य बहिष्कार और धरना समाप्त किया जाए या आंदोलन आगे जारी रखा जाए। अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसील में भ्रष्टाचार चरम पर है और विभिन्न न्यायालयों व कार्यालयों में दलालों तथा निजी मुंशियों के माध्यम से अवैध रूप से कार्य कराए जा रहे हैं। उनका कहना है कि बिना दलालों के न्यायिक कार्य कराना मुश्किल हो गया है तथा खतौनी, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र सहित कई कार्यालयों में धन उगाही की जा रही है। अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राजस्व नियमावली की अनदेखी की जा रही है और पूरी व्यवस्था प्रभावित हो चुकी है। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि तत्कालीन एसडीएम सुधीर कुमार अधिवक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते थे और नियमों का हवाला देने पर उन्हें परेशान किया जाता था। इसके अलावा तहसील परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति बदलकर भ्रष्टाचार छिपाने का प्रयास किए जाने तथा विवादित मामलों में हस्तक्षेप कर माहौल बिगाड़ने के भी आरोप लगाए गए हैं। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने बताया कि 23 मार्च 2026 को शिकायत पत्र देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 29 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी ज्ञापन भेजकर एसडीएम के स्थानांतरण की मांग की गई थी। अब स्थानांतरण के बाद अधिवक्ता नए अधिकारी के रुख का इंतजार कर रहे हैं।

रोहित-विराट दोनों फ्लॉप

पहले वनडे में 'RoKo' फैंस निराश

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खास कमाल नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैंस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आई जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट

122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

टीम इंडिया के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।

केएल राहुल का शानदार कैच

बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा है। इस मुकाबले में 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे जसप्रीत बुमराह ने अंग्रेज बल्लेबाजों की नाक में दम किया और एक विकेट लेते ही दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके बाद 706 दिन के इंतजार के बाद भारत की वनडे टीम में लौटे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी कमाल की गेंदबाजी की और केएल राहुल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें विकेट भी मिला। शिवम दुबे ने अपने पहले 5 ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

● जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इरफान पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

पीवी सिंधु की दमदार जीत

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

पहले दौर के नतीजे

- **विमेंस सिंगल्स:** पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स:** ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स:** फेंग यान झे/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गद्दे को 21-11, 21-10 से हराया।
- **मेन्स डबल्स:** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी को डैनियल लुंडगार्ड/मैड्स वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

स्पेन ने फ्रांस को हराया

● 16 साल बाद फाइनल में बनाई जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएंते की कप्तानी में स्पेनिश टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

● **स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल-** सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

● बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत ● सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार जीत अपने नाम कर ली है। बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया यह मुकाबला टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बर्मिंघम में 12 साल के इंतजार के बाद भारतीय टीम ने वनडे मैच जीता है। अक्षर पटेल इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो साबित हुए। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से कमाल किया और शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में 9.5 ओवर में 4 विकेट लेकर 62 रन दिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने टीम को तब संभाला जब उनकी बल्लेबाजी की खास जरूरत थी। अक्षर ने 52 गेंद पर नाबाद 57 रन की पारी खेली।

12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, इंग्लैंड को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

शुभमन गिल बीच मैच गए मैदान से बाहर

80 रन बनाकर हुए रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।

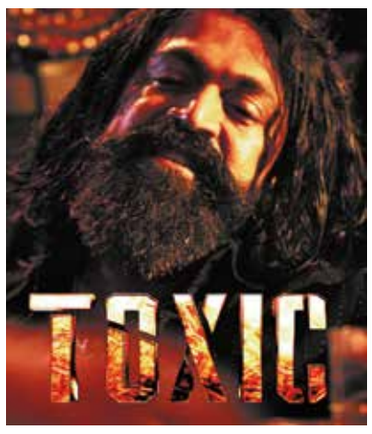

'टॉक्सिक' से नहीं होगा 'द वन' का टकराव;

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। आज गुरुवार को फिल्म का मोशन पोस्टर साझा किया गया है। इसी के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होनी थी, मगर अब दर्शक इसे सितंबर में देख पाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का नया मोशन पोस्टर सामने आया है। इसमें सस्पेंस और थ्रिल दोनों हैं। मोशन पोस्टर में देखा जा सकता है कि एक ताकतवर योद्धा बाघ और नंदी के बीच खड़ा है। वह निडर होकर सामना कर रहा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'बाघ उसकी दहाड़ है...नंदी उसकी शक्ति। और वन...उसकी कहानी'। यह फिल्म अब 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'टॉक्सिक' और 'ईठा' से क्लैश से बची 'द वन'

बता दें कि फिल्म 'द वन' पहले 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। मगर, इसके साथ दो चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली थीं। एक तरफ श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म 'ईठा' 28 अगस्त को रिलीज हो रही है। वहीं, यश की फिल्म 'टॉक्सिक' 26 अगस्त को रिलीज हो रही है। इनसे 'द वन' का क्लैश होना तय था। फिलहाल, ऐसा नहीं होगा।

जंगलों में हुई है फिल्म की शूटिंग

समाचार एजेंसी के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में मेकर्स ने कहा, 'द वन' के जरिए दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिलेगा। इसमें बड़े पैमाने शानदार विजुअल इफ़ेक्ट्स शामिल हैं। इसका मकसद ऐसी भारतीय कहानियों को सामने लाना भी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को पसंद आती हैं'। मेकर्स की तरफ से यह भी बताया गया कि फिल्म मध्य भारत के घने जंगलों पर आधारित है और इसे प्राचीन कथाओं, छिपे हुए मंदिरों और रोमांच का मिश्रण बताया। इसकी शूटिंग असली जंगलों में की गई है।

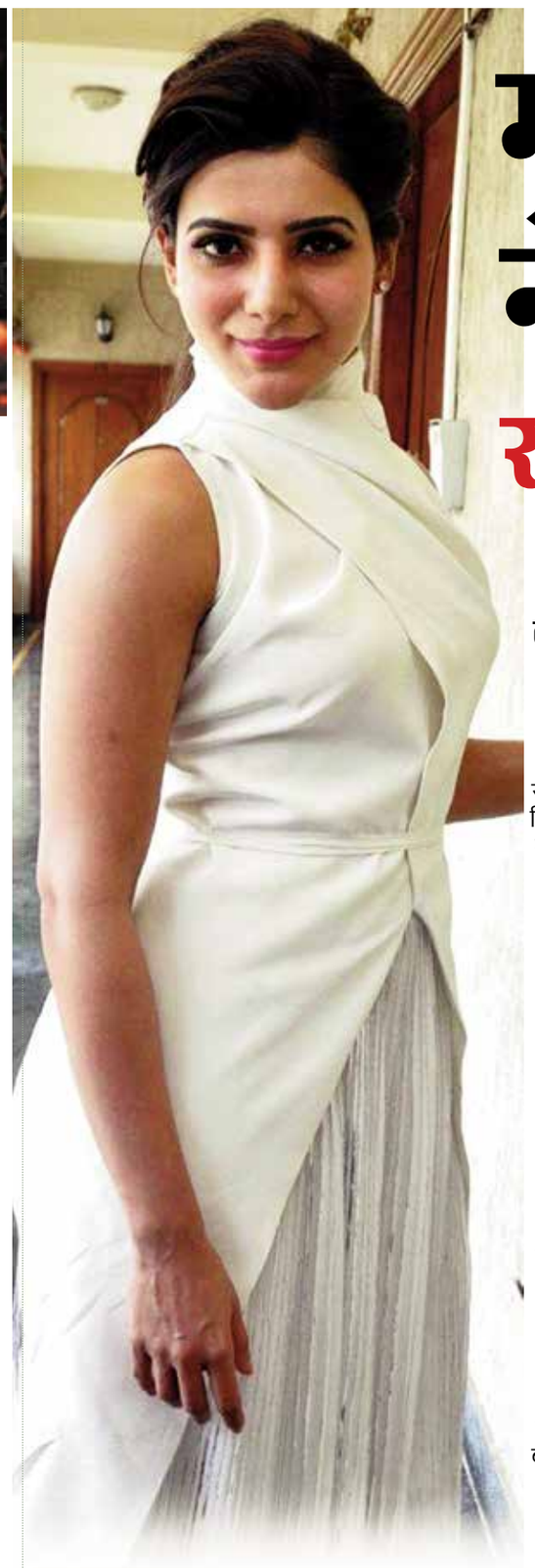

मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास

सामंथा ने जताई खुशी

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को लेकर काफी खुश हैं। इस फिल्म ने ग्लोबली 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसे लेकर वह उत्साहित हैं।

साउथ की बेहतरीन अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' 19 जून को रिलीज हुई। महिला प्रधान इस फिल्म ने साउथ में इतिहास रच दिया है। रिलीज के एक महीने से भी कम समय में इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की सफलता से सामंथा खुश हैं। सामंथा ने 'मां इंटी बंगारम' के 100 करोड़ रुपये कमाने पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर और अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में सामंथा के पति राज उनसे पूछते हैं कि क्या वह वीडियो में कुछ दिलचस्प देखना चाहती हैं? तो सामंथा हां में जवाब देती हैं। जब वह राज का दिया हुआ आईपैड अनलॉक करती हैं, तो फिल्म की ग्लोबल सफलता देखकर हैरान रह जाती हैं। वीडियो के आखिर में, मुस्कुराती हुई सामंथा कहती हैं, 'हमने 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया।'

फिल्म को लेकर क्या सोचती थीं सामंथा

वीडियो शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा ' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले, मैं एक ही बात सोचती रहती थी कि क्या लोग फिल्म के बारे में बात भी कर रहे हैं? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे हैं, वे लोगों तक पहुंच रही हैं? क्या उन्हें पता है कि यह फिल्म आ रही है?

हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा?

उन्होंने आगे लिखा 'मेरे एक दोस्त ने 'बी' सेंटर के एक एग्जिबिटर को फोन किया। उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूं।' मेरे दोस्त ने पूछा, 'आप 'मां इंटी बंगारम' के बारे में क्या सोचते हैं? आपको क्या लगता है कि इसकी ओपनिंग कैसी होगी?' एग्जिबिटर ने बिना हिचकिचाए कहा, 'कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म में हो, तो ठीक है। लोग उसे ग्लैमर के लिए जानते हैं। मगर हीरोइन की लीड वाली फिल्म? कौन देखने आएगा? कोई नहीं।' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले लोगों की यही सोच थी।'

बड़ी चीज की शुरुआत

सामंथा ने आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो। ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है। हमारे मामले में, ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह किसी बड़ी चीज की शुरुआत है।'

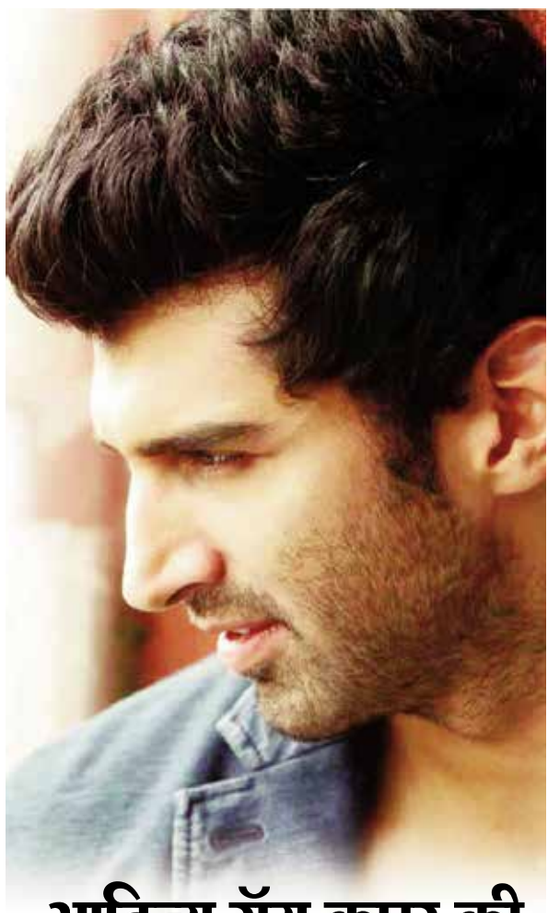

आदित्य रॉय कपूर की नई फिल्म का ऐलान, मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।' निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था।' वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, ''आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी।''

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी।

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, 'इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।' उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, '2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।'

'हेरा फेरी 3' को लेकर सुनील शेट्टी ने कहा

वेलकम टू द जंगल के बाद कुछ जादुई होगा

सुनील शेट्टी अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इसमें वह अक्षय कुमार, परेश रावल और रवीना टंडन जैसे 90 के दशक के को-स्टार्स के साथ नजर आए। बॉक्स ऑफिस पर इसकी कामयाबी के बाद, एक्टर का मानना है कि यह बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्मों के लिए एक नया रास्ता खोलती है। किसी भी फिल्म की सफलता पूरी इंडस्ट्री की सफलता होती है, खासकर ऐसे समय में जब हम भूल गए हैं कि फैमिली एंटरटेनमेंट का क्या मतलब है। फिरोज नाडियाडवाला की सोच वैसी ही है जैसी डिज्नी की है। यही 'वेलकम टू द जंगल' की सफलता का कारण है। मैं खुश और उत्साहित हूं और उम्मीद करता हूं कि ऐसी और भी फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्में बनेंगी।'

दर्शकों के दिलों में जगह बनती है

अपने पुराने को-स्टार्स के साथ फिर से काम करने पर सुनील कहते हैं 'फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि इतने सारे मशहूर एक्टर्स के होने के बावजूद, आप अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। यह सफलता उतनी ही अक्षय की है जितनी रवीना, परेश भाई, जॉनी, मेरी या किसी भी दूसरे एक्टर की। ऐसी फिल्में आपको दर्शकों के दिलों में दोबारा जगह बनाने का मौका देती हैं।'

'हेरा फेरी' पर क्या बोले सुनील शेट्टी

'वेलकम टू द जंगल' में सुनील ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार्स के साथ काम किया मगर हाल ही में खबर आई कि प्रियदर्शन इस फिल्म के तीसरे पार्ट से अलग हो गए हैं। फिल्म अभी अधर में लटकी हुई है। सुनील से इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा 'हेरा फेरी मेरे करियर की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इससे जुड़ी पुरानी यादें बहुत सुखद हैं। इस पर लगातार बनते मीम्स और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए, कौन नहीं चाहेगा कि ऐसा हो? उम्मीद है कि 'वेलकम टू द जंगल' के बाद कुछ जादुई होगा।'

आकांक्षा ने अपने करीबी दोस्तों के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात की

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।'

गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी

आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया।

भारतीय मानक ब्यूरो ने सिलवासा में एमएसएमई सम्मेलन का किया आयोजन

■ सिलवासा में क्वालिटी-ड्रिवन इंडिया के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाना विषय पर एक एमएसएमई मीट का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 15 जुलाई, 2026। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले विभाग के तहत भारत की राष्ट्रीय मानक संस्था, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) ने सिलवासा के श्क्ळ्र कामाट्स रिजॉर्ट में क्वालिटी-ड्रिवन इंडिया के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाना विषय पर एक एमएसएमई मीट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बीच बीआईएस मानकों, सर्टिफिकेशन योजनाओं और गुणवत्ता प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना और साथ ही भारतीय उद्योग में गुणवत्ता और मानकीकरण की संस्कृति को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत बीआईएस सूरत शाखा कार्यालय के वैज्ञानिक-ई और प्रमुख विक्रांत के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने एमएसएमई को मजबूत करने, उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और बाजार तक पहुँच आसान बनाने में मानकों और गुणवत्ता की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को बीआईएस की विभिन्न पहलों और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बीआईएस सर्टिफिकेशन के फायदे भी बताए और हितधारकों से आग्रह किया कि वे व्यावसायिक विकास को बनाए रखने और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने के लिए गुणवत्ता मानकों को अपनाएँ और मानकीकरण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हों। इस कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन सिलवासा के महासचिव कल्पेश सोलंकी और एफआईए गठन सचिव परेश गज्जर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए, सोलंकी ने औद्योगिक विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए उच्च उत्पाद गुणवत्ता बनाए रखने और बीआईएस सर्टिफिकेशन प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के लिए समर्पित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और उद्योगों के बीच गुणवत्ता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए बीआईएस की सराहना की। बीआईएस की यात्रा और विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के बाद, बीआईएस सूरत शाखा कार्यालय के उप निदेशक अश्वनी कुमार ने उद्योग प्रतिनिधियों को बीआईएस सर्टिफिकेशन प्रक्रिया, सर्टिफिकेशन की जरूरतों और क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर के कार्यान्वयन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागियों को भारतीय मानकों, बीआईएस सर्टिफिकेशन योजनाओं, उत्पाद मैनुअल, गुणवत्ता प्रबंधन प्रथाओं और नियामक जरूरतों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। उद्योग प्रतिनिधियों ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और सर्टिफिकेशन प्रक्रियाओं, मानकों के अनुपालन और बीआईएस के नियमों व विनियमों से संबंधित अपने सवालों को स्पष्ट करने के लिए बीआईएस अधिकारियों के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम में एमएसएमई, सिलवासा के तीनों इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, उद्यमियों और क्षेत्र के अन्य हितधारकों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम इंडस्ट्रीज के बीच क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को अपनाने और भारत के क्वालिटी इकोसिस्टम को मजबूत करने में बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन ने साइबर सुरक्षा सुदृढ़ीकरण विषयक संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला का किया सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 15 जुलाई। शासकीय विभागों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, डिजिटल अवसंरचना को सुरक्षित बनाने तथा साइबर सुरक्षा संबंधी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार के सहयोग से राज्य डेटा हेतु साइबर सुरक्षा ढाँचे को सुदृढ़ बनाने विषय पर संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 15 जुलाई 2026 को शासकीय अभियांत्रिकी महा-विद्यालय दमण के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यशाला में संघ राज्य क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य संबंधित हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दीव से अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला में सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अजय कुमार गुप्ता, सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी), दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उत्पल मेहता, अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, दादरा नगर हवेली और दमण-दीव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने उद्घाटन संबोधन में गुप्ता ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा सुशासन की आधारशिला बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह केवल सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक शासकीय विभाग तथा प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिक सेवाओं के बढ़ते डिजिटलीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षित डिजिटल सेवाओं, निरंतर क्षमता निर्माण, साइबर जागरूकता तथा राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन के माध्यम से ही सुरक्षित, विश्वसनीय एवं भविष्य के अनुरूप डिजिटल प्रशासन की स्थापना की जा सकती है। कार्यशाला के प्रारंभिक सत्र में पूजा कांडपाल, उप महाप्रबंधक (क्षमता निर्माण), राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित साइबर सुरक्षा पहलों का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ बनाने, संस्थागत क्षमता विकसित करने तथा डिजिटल प्रशासन को अधिक सुरक्षित एवं सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। तकनीकी सत्रों में साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. अरुणा गोवाडा, सहायक निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), दमण ने भारत की साइबर सुरक्षा नीति एवं उभरते साइबर खतरों विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए बदलते साइबर परिदृश्य तथा उससे निपटने के लिए सक्रिय एवं समयबद्ध तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया। प्रशांत शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार ने शासकीय डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा विषय पर प्रस्तुति देते हुए सरकारी अनुप्रयोगों, राज्य डेटा केंद्र, स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क, क्लाउड अवसंरचना तथा डिजिटल सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर प्रकाश डाला। सम्राट किशोर, प्रधान सलाहकार (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर एवं साइबर सुरक्षा), NeGD, MeitY ने साइबर घटना प्रतिक्रिया, CERT-In अनुपालन एवं साइबर संकट प्रबंधन विषय पर प्रभावी घटना प्रबंधन, त्वरित रिपोर्टिंग प्रणाली, संस्थागत तैयारी तथा नियामकीय अनुपालन के महत्व को विस्तार से समझाया। अर्शिल खान, टीम लीड (साइबर विधि), NeGD, MeitY ने डेटा संरक्षण, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023 एवं सुरक्षित डिजिटल प्रशासन विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डेटा गोपनीयता, विधिक प्रावधानों, Secure-by-Design सिद्धांतों तथा सुरक्षित डिजिटल प्रशासन के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। समापन तकनीकी सत्र में किशोर एस. चौधरी, प्रधानाचार्य, NIELIT, दमण ने शासकीय विभागों के लिए साइबर सुरक्षा की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियाँ विषय पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने साइबर स्वच्छता, मजबूत पासवर्ड प्रबंधन, फिशिंग से बचाव, मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के महत्व पर विशेष बल दिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों के बीच उभरते साइबर खतरों, डेटा सुरक्षा, साइबर घटना प्रबंधन, डिजिटल गोपनीयता तथा शासकीय विभागों में प्रभावी साइबर सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन को लेकर सार्थक एवं संवादात्मक चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, CERT-In, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के साथ निरंतर समन्वय एवं सहयोग के माध्यम से संघ राज्य क्षेत्र में साइबर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ बनाने तथा सुरक्षित, सशक्त एवं डिजिटल रूप से सक्षम प्रशासन स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। डिजिटल सुशासन की सफलता केवल तकनीक पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सुरक्षित एवं विश्वसनीय डिजिटल प्रणालियों पर आधारित होती है। साइबर सुरक्षा को प्रत्येक विभाग की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना समय की आवश्यकता है।

कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पशुधन की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला, चारे की व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी अब जिला कलेक्टरों को

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात सरकार ने राज्य में पशुधन की सुरक्षा और गौशालाओं तथा पांजरापोलों में आश्रित पशुओं के लिए समय पर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंत्रिमंडल की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत राज्य के उन क्षेत्रों में, जहां इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा हुई है, पशुओं के लिए घास-चारे की व्यवस्था करने की सीधी प्रशासनिक शक्ति संबंधित जिला कलेक्टरों को सौंप दी गई है। इस निर्णय की जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बताया कि कम वर्षा वाले इलाकों में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था में किसी प्रकार की देरी न हो, इसलिए जिला कलेक्टरों को तत्काल निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से गौशालाओं और पांजरापोलों में आश्रय प्राप्त पशुधन के लिए आवश्यक घास-चारे की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित हो सकेगी और अनावश्यक प्रशासनिक विलंब से बचा जा सकेगा। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अब तक इस प्रकार की व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक मंजूरी लेने की प्रक्रिया में काफी समय लग जाता था, जिससे जरूरतमंद क्षेत्रों में समय पर चारा उपलब्ध कराने में कठिनाइयां आती थीं। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अब जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले की वास्तविक स्थिति, वर्षा की मात्रा और स्थानीय आवश्यकताओं का आकलन कर तत्काल निर्णय ले सकेंगे। इससे प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था अधिक प्रभावी, त्वरित और सुचारु रूप से की जा सकेगी। राज्य सरकार का मानना है कि इस निर्णय से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पशुधन को राहत मिलेगी तथा गौशालाओं और पांजरापोलों में रह रहे पशुओं के लिए समय पर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने में प्रशासन को अधिक दक्षता प्राप्त होगी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)